

21.2.25 पशावली पेशी में ली गई। वहम उभयपक्ष
सुनी गई। बाद पशु राणीनामा अनुवाद
डिक्ती किया जाता है वित्त निर्धि
अलग से लिखवाया जाकर शामिल
पशावली किया गया। फर्मा डिक्ती
कारी है। पशावली कहर कविल की
पाती है। आदेश सुनाया गया।

102
सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़